

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा हमीरपुर गाँव में आयोजित 7 दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर के अंतिम दिन

आईसीएआर-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (ICAR-IVRI) द्वारा हमीरपुर गाँव में आयोजित 7 दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर के अंतिम दिन (13/03/2026) को जूनोटिक (पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले) रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित किया गया, जिसमें विशेष रूप से रेबीज के कारण, रोकथाम और नियंत्रण पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर बी.वी.एससी. एवं ए.एच. (द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) तथा बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष) के विद्यार्थियों ने गाँव में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली के पश्चात विद्यार्थियों ने छोटे-छोटे समूह बनाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उन्हें महत्वपूर्ण जूनोटिक रोगों जैसे रेबीज, जापानी इंसेफेलाइटिस, ब्रुसेलोसिस, इन्फ्लुएंजा तथा एन्थ्रेक्स के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इन रोगों के फैलने के तरीके, लक्षण तथा बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से समझाया।

रेबीज पर विशेष रूप से जोर दिया गया, क्योंकि यह एक घातक किन्तु रोके जाने योग्य बीमारी है। ग्रामीणों के साथ चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि अधिक जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए पूर्व-संपर्क (Pre-exposure) टीकाकरण तथा किसी पशु के काटने के बाद समय पर पश्च-संपर्क (Post-exposure) एंटी-रेबीज टीकाकरण सबसे प्रभावी बचाव उपाय हैं। साथ ही विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को जिम्मेदार पालतू पशु पालन के बारे में जागरूक किया तथा कतों के नियमित टीकाकरण के महत्व पर भी बल दिया। विद्यार्थियों ने गाँव के प्रतिनिधि श्री हरीश जी से भी संवाद किया और उन्हें किसानों के बीच रेबीज के प्रति जागरूकता को आगे बढ़ाने के लिए संवेदनशील बनाया।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. राघवेंद्र भट्टा, निदेशक, ICAR-IVRI; डॉ. एस. के. मेंदिरता, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक); डॉ. एस. के. साहा, छात्र कल्याण अधिकारी; डॉ. मुकेश सिंह, अध्यक्ष, पशुधन उत्पादन प्रबंधन विभाग; डॉ. आर. एस. सुमन; तथा विस्तार शिक्षा विभाग के श्री वीर सिंह और श्री ओमप्रकाश के मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आयोजक ग्राम प्रतिनिधियों एवं सभी ग्रामीणों का भी शिविर के सफल आयोजन में उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

